१०१८

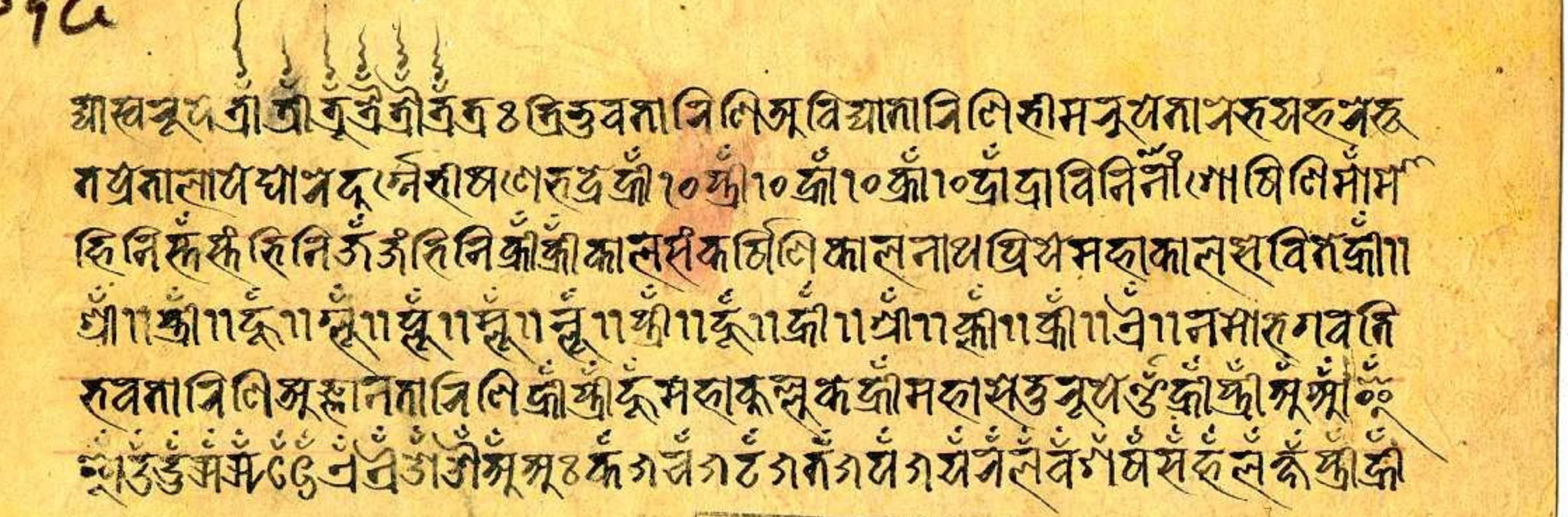

आशा अभिलेखागार ASHA ARCHIVES 1.737

ॐँ क्रँ लृँ हृँ षँ गँ वँ लँ ञँ यँ मँ रँ वँ ह्यँ नँ वँ दँ थँ तँ णँ ढँ ठँ ०ँ टँ ऊँ ऋँ ऊँ ऋँ वँ ढँ घँ गँ खँ कँ
ऋ४ॐँ ऊँ ॐँ ऐँ नँ ऊँ ईँ ॐँ ॐँ ऊँ उँ ॡँ ॐँ ॐँ ॠँ ॐँ ॐँ क्रौँ ॐँ कूँ ऋ४ॠ४ ॡ४ ॡ४ ३ ४ ३ ४ ॐ४ ॐ
४ ९ ४ ७ ४ ञ ४ ने ४ ऊ ४ ओ ४ ॐ ४ ॐ ४ क ४ ख ४ ग ४ घ ४ ढ ४ व ४ क ४ ज ४ ग ४ ऊ ४ ट ४ ०ः ठ ४
र ४ ल ४ ग ४ य ४ व ४ ध ४ न ४ ध ४ ह ४ व ४ स ४ म ४ य ४ ज ४ स ४ व ४ ग ४ म ४ स ४ ह ४ ल ४ क्र ४ ॐँ
क्रौँ ॐँ कूँ महानिर्वोणविद्यमहामाक्रयदनेरुगवश्यकऊटविद्यहविकठदेंडुधाम
हिनन्नस्कानयत्रादयानूँ क्रौँ मह्यायेविद्यहमाग्नायेधीमहिनन्नादबोधियायानः



यत्रादयानूँ नेवकऊठायेविद्यहे क्ष्रौँ नीलसरस्वतीधीमहिक्ष्रौँ तन्नस्कानयत्रादया
यनेँ क्ष्रौँ ॐँ कूँ रुद्रनेँ क्ष्रौँ क्ष्रौँ ॐँ ऊँ दौँ दूँ दैँ द्रौँ दँ द ४ ऊँ १० ऊकिनि ॐँ १० ॐकिनि ऊँ १० ऊ
किनिऊँ १० ऊकिनि क्रँ १० क्रकिनि हूँ १० हूकिनि मूँ १० मूऊधाऊधिवासिनि सँ १० स्वा
धिस्ठानाधिवासिनि मँ १० मणिपूराधिवासिनि अँ १० अनाहताधिवासिनि कँ १० विशु
द्धाधिवासिनि ऊँ १० ऊज्ञाचक्रविवकनिवासिनि सकुयदसक्रमलाधिवासिनि क्ष्रौँ ॐँ
कूँ रुसखँ रुसक्रमलवजयूँ क्रौँ रुसी ४ अकाशनाथावताभ

क्षांश्यभूंयमूंक्षांश्यवह्निमंगलीमंहूंहूंस्त्रौंस्त्रौंश्यौंश्यौं१०ऐंनिर्द्वाणमालिनिनिस्त्रौंमाक्रंयद्रं
महामाक्रंकूंजूंरुंङ्ग११क्रौंक्रौंक्रंनालरुंरुंमहाघोंरविद्यघोंरनाथघोंसिंहंङ्गंक्रौंम्
घोंरविद्यरुंट्१०नौंमट्१०वषट्१०हूंं१०स्त्रौं१०क्रौं१०क्रौं१०क्रौंक्रौंक्रौंरुंसर्वदुंष्टंनंजंय
ंनंजंरिंनंजंसूंनंजंक्रंनंजंयंनंजंदंरुंजंयंजंक्रंरुंथंऽंजंमंमंजंक्षंसंजंधूंजंख
ंसूंजंरुंसूंजंयूंजंधंमंजंक्रंमंजंमंमंजंकिलिंजंकिलिंजंकिविंजंमांजंयंजंडाट्टंजंविद्या
वंशंजंविद्रंमयंजंक्रिंमिंजंरिंघिंजंरुं१०क्रं१०ॐक्रौंॐहूंॐभूंॐक्रंॐक्रुंॐघूंॐमूंॐद्यांॐक्रौं



ॐक्रौंॐ१०हूं१०स्त्रौं१०क्रौं१०ॐं१०रुंट्१०हूंरुंट्स्वांरुंमहाकंमलवासिनिक्रौंग
महामुंडमालाधरंस्त्रौंख्यौंवौंकांकूंवूंमहाकूंमोंयस्वभावनाशंशांशौंजूंजौंजंनंठंनाम
रुद्रानाभितसकलस्तोकयूंजिनमांमींमूंभेंमोंमंमंठंमलिंधनिवांवींवूंवेंवौंवंवंठंवज्रयू
ंयंयूंकंवज्रायकंहूंरुंट्धूंधूंमावतिधूमिनिधूंधंम्मेंविद्यमहाधम्मविद्यशांशौं
वूंवेंवौंवंवंठंमहाज्ञानकंममहाविद्यज्ञानावतारशांशौंजूंजौंजंनंठंनंजंकाद्य
वतारंमहातंजयरुंद्रविद्यतंजयतिपादिनिशौंशौंरुंसकलस्त्रौंहूंॐमहामंजूं

शवसान महानील सान्जन महामरु मातंग चर्म्मोत्तरीय गलद्रक्तमुण्डमाला धारिणि
ह्रीँ क्रीँ ह्रूँ रुद्र रुद्र खड्ग मन्त्र वज्र शवसाधिनि मन्त्र विद्ये ॐ ह्रीँ क्रीँ गँ ग्लौँ ग्लौँ गणनाथाना
धिष्ठित गणनाथ विद्य गण कोटि गुह्य मन्त्र धान्य मन्त्र धन मन्त्र यज्ञ खण्ड चूर्ण विनाश
मन्त्र कोटि दर्प विधान गणपति हृदय मन्त्र नायिके ह्रीँ क्रीँ ह्रूँ क्रौँ ह्रौँ ह्रौँ यँ यजु यजुके
यजु मुण्ड धारिणि ह्रीँ १० महा यजु नायिके यजु मुण्ड दर्प हरे ह्रीँ १२ महा काल निष्ठ
महा काल विद्या धारिणि ह्रीँ महा कालिके ह्रीँ महा काल सीत्कारिणि ह्रीँ ३ क्रूँ ३ ह्रीँ ३ क्रूँ ३

महा कालिके ह्रीँ ३ ह्रीँ ३ क्रूँ ३ महा दक्षिणे माँ महा प्रति सर ह्रीँ ३ ह्रीँ ३ ह्रीँ ३ महा का
मकले ह्रीँ ह्रीँ क्रूँ रुद्र कालिके रुद्र नाथ वसान रुद्र सानन्द नाथे धारिणि रुद्र माले नि
ह्रीँ स्त्रीँ क्रूँ वज्रादक वज्र पूर्वीय नीक रुद्र १० वज्र पूर्व दिग्ये ह्रीँ कालि ह्रीँ नू नाथ धाः
रः ह्रीँ रासाता रः ह्रीँ मासान ताः रः ह्रीँ खड्ग रः ह्रीँ करु २ स्त्रीँ ह्रीँ क्रूँ ग्रसा साकूट ह्रीँ स्त्रीँ क्रूँ ११
गद्य विद्य ॐ ह्रीँ स्त्रीँ ग सर्व लोक तानि नि ॐ ह्रीँ स्त्रीँ ग लँ वँ रँ यँ ॐ १० ॐ १० ह्रीँ वँ रँ सँ यँ ता
ना नि विद्य ह्रीँ ग महा माय ह्रीँ ह्रीँ यौँ यौँ ह्रीँ ह्रीँ ॐ स्त्रीँ ह्रीँ ह्रीँ रुद्र ४ सारु ह्रीँ ह्रीँ स्त्रीँ ॐ यँ रँ लँ

ॐ ॐ ॐ ॐ ॐ
वँगँषँसँरँहँसः४साहँउँमहायानतानउँआँक्रोंवषट्वूँ फूँवलिंगृह्णा२मोंनक्ष२
दूरान्नाशय२यातय२गरुनूजहि२क्रौंउँक्रौंस्फ्रौंक्रौंदूँक्रौंनेंक्रौंपीस्वाहाउँक्रौंह्रीं क्ष्रौंक्रूँ
नँथँदँधँनँपँरुँवँनँरुँमँआँक्रौंक्रौंप्रौंदूँरुंदृउँक्रौंह्रीं क्ष्रौंक्रूँआँक्रौंक्रौंप्रौंदूँरुंदृस्वाहानमः४
ॐ १०रुगवलिमहाबजवेसौंवलिउँक्रौंस्फ्रौंउँआँक्रौंक्रौंस्फ्रौंक्रौंउँ २०क्रौं १०ह्रीं १०स्फ्रौं १०दूँ
१०क्ष्रौं १०नैं १०पाँ १०वाँ १०क्रौं १०ध्रौं १०वेसाक्षवह्निलिक्रौंस्फ्रौंदूँरुंदृरुंस४स्रौं४ॐआँयमेवमा
लिनिक्रौंप्रौंस्फ्रौंमहालक्ष्मिआँक्रौंप्रौंक्ष्रौंलूँॐश्लानमालिनियमधारिनिह्रीमवूधिनिस्फ्रौंग्रौं३



जलधिवेलयकमलवासिनिवाँवाँवूँवेंवौंवँव४वह्निमण्डलवासिनिक्रौंस्फ्रौंदूँ १०यो१०म
वी०यरुनमूधिनिनीलाम्बरधारिनिमहानीलवीनक्रमायासितनीलनाथधियश्रीः
२०उँउह्मिजस्वजजभूंजजनायजजभूंयनानिउँ३०कलाकाष्ठामूदूरुंक्षणलंवमूहि
निमममासयऋवत्सरायनयुगमन्वन्तरकल्पमानिनिमहानिशानिशानन्दनाथपर्
सितक्रौंस्फ्रौंदूँस्फ्रौंनैंक्रौंक्रौंप्रौंक्रौंसौं४स्रौंरुंसनौंसरुनौंविघ्ननाशिमारुनाथधासितक्रौं
स्फ्रौंवूँफूँधेवयानायनवासिकमन्त्रेननाविग्रहमहाकूटलोलस्किनक्रौंस्फ्रौंदूँवन्द्रसि

ह्रां नमो मिमणुलंगावनमल्लानविल्लानसंल्लानविलंबमल्लनत्रनाथावतारमहानत्र
नमो मूलमंत्रस्फुरंतं ह्रीं२० क्रौं२० द्रां२० द्रीं२० ४० मणुवतिमहामन्त्रविद्यरुं ह्रीं३० क्रीं
२४ द्रीं४० महाघानतानं क्रौं४०००० महादिव्यवीजधिरं ह्रीं४००० त्रीनदिव्यवीजं
३०० रुद्र ११०० नमोरुगवतिमहानीलसनखनिमहात्रीनमोस्तिक ह्रीं क्रौं दूं रुद्रुं
क्रौं द्रौं उं ह्रौं क्रौं ऐं दूं२० ऐं क्रौं ह्रीं दूं रुद्र स्वाहानमः॥ ॥ॐ तिश्रीमहानीलसानख
नमहानत्र मूलमंत्रमहाघतानासीवादमहाघतानायूनाकजोसिद्धिविद्यासमाप्ता॥ ॥

आशा अभिलेखागार
ASHA ARCHIVES
1.737